

मानव विकास में असमानताएँ

यह एडिटरियल 21/03/2023 को 'द हट्टू' में प्रकाशित "The wide disparities in human development" लेख पर आधारित है। इसमें मानव विकास में बढ़ती असमानताओं के मुद्दों और इसे दूर करने के तरीकों के बारे में चर्चा की गई है।

संदर्भ

मानव विकास (Human development) केवल आर्थिक विकास की तलाश और अर्थव्यवस्था में समृद्धि को अधिकतम करने पर केंद्रित नहीं है। इसके बजाय, यह मानवता के विचार के आसपास केंद्रित है, जिसमें स्वतंत्रता का विस्तार करना, कष्टमताओं में सुधार करना, समान अवसरों को बढ़ावा देना और एक समृद्ध, स्वस्थ एवं सुदीर्घ जीवन को सुनिश्चित करना शामिल है।

- भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से विकास करती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। हालाँकि इस विकास के परिणामस्वरूप इसके **मानव विकास सूचकांक (Human Development Index- HDI)** में समान रूप से वृद्धि नहीं हुई है। वर्ष 2021-22 की मानव विकास रिपोर्ट के अनुसार, भारत 191 देशों की सूची में बांग्लादेश और श्रीलंका से भी नीचे 132वें स्थान पर है।
- भारत के विशाल आकार और बढ़ी आबादी को देखते हुए, मानव विकास में उप-राष्ट्रीय या राज्य-वार असमानताओं को दूर करना महत्वपूर्ण है, जो फरि भारत को अपने जनसांख्यिकीय लाभांश को साकार कर सकने में मदद करेगा।

HDI क्या है?

- HDI **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम** (United Nations Development Programme- UNDP) द्वारा दुनिया भर के विभिन्न क्षेत्रों में मानव विकास के स्तर का मूल्यांकन और तुलना करने के लिये सृजित एक समग्र सांख्यिकीय मापक है।
- इसे वर्ष 1990 में सकल घरेलू उत्पाद (GDP) जैसे पारंपरिक आर्थिक मापकों—जो मानव विकास के व्यापक पहलुओं पर विचार नहीं करते हैं, के एक विकल्प के रूप में पेश किया गया था।
- HDI तीन पहलुओं में किसी देश की औसत उपलब्धिका आकलन करता है: सुदीर्घ एवं स्वस्थ जीवन, ज्ञान और जीवन का एक सम्यक् स्तर।
- उप-राष्ट्रीय HDI दर्शाता है कि जहाँ कुछ राज्यों ने व्यापक प्रगति की है, वहीं अन्य अभी भी संघर्ष कर रहे हैं।
 - सूचकांक में दिल्ली शीर्ष स्थान पर है, जबकि बिहार सबसे नीचे है।
 - यद्यपि यह उल्लेखनीय है कि पिछली HDI रिपोर्ट के विपरीत बिहार अब नमिन मानव विकास वाला राज्य नहीं रह गया है।

मानव विकास की प्राप्ति में भारत के समक्ष वदियमान प्रमुख बाधाएँ

- **आर्थिक विकास का असमान वितरण:**
 - मानव विकास की प्राप्ति में बाधा का एक प्रमुख कारण यह है कि आर्थिक विकास का वितरण असमान रूप से हुआ है।
 - भारतीय आबादी के शीर्ष 10% के पास 77% से अधिक संपत्ति है।
 - इसके परिणामस्वरूप बुनियादी सुविधाओं, स्वास्थ्य देखभाल और शिक्षा तक पहुँच में उल्लेखनीय असमानताएँ उत्पन्न हुई हैं।
- **सेवाओं की नमिन गुणवत्ता:**
 - जबकि भारत ने गरीबी को कम करने और स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, ऐसी सेवाओं की गुणवत्ता चिंता का विषय बनी हुई है।
 - उदाहरण के लिये, जबकि देश ने प्राथमिक शिक्षा में लगभग सार्वभौमिक नामांकन की स्थिति प्राप्त कर ली है, शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर नमिन बना हुआ है।
- **प्रभावी शैक्षिक अवसंरचना का अभाव:**
 - भारत अपने नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने में भी चुनौतियों का सामना कर रहा है। कई स्कूलों में पर्याप्त कक्षाओं, स्वच्छ जल और प्रशिक्षित शिक्षकों जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है।
- **उचित पोषण की कमी:**
 - भारत में कुपोषण और अल्पपोषण विशेष रूप से बच्चों में व्याप्त प्रमुख समस्याएँ हैं। इसका उनके स्वास्थ्य, संज्ञानात्मक विकास और

प्र. यूएनडीपी के समर्थन से ऑक्सफोर्ड पॉवर्टी एंड ह्यूमन डेवलपमेंट इनिशिएटिवि द्वारा वकिसति बहु-आयामी गरीबी सूचकांक नमिनलखिति में से कसि कवर करता है? (वरष 2012)

1. घरेलू स्तर पर शकिषा, स्वास्थ्य, संपत्त और सेवाओं का अभाव
2. राष्ट्रीय स्तर पर कर्य शकर्ता समानता
3. राष्ट्रीय स्तर पर बजट घाटा और सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धिदर की सीमा

नीचे दयि गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनयि:

- (A) केवल 1
- (B) केवल 2 और 3
- (C) केवल 1 और 3
- (D) 1, 2 और 3

उत्तर: (A)

व्याख्या:

- बहुआयामी गरीबी सूचकांक (MPI) एक गरीब व्यक्ती को शकिषा, स्वास्थ्य और जीवन स्तर के संबंध में एक साथ सामना करने वाले अभावों को दर्शाता है, जैसा कि नमिन तालकिा में दर्शाया गया है। अतः कथन 1 सही है।

■ अतः विकल्प (A) सही है।

????? ????????

प्र. लगातार उच्च विकास के बावजूद मानव विकास सूचकांक में भारत अभी भी सबसे कम अंकों के साथ है। उन मुद्दों की पहचान करें जो संतुलित और समावेशी विकास को सुनिश्चित करते हैं। (वर्ष 2016)

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/tackling-disparities-in-human-development>

